Hythergraph हीदरग्राफ

ग्रिफिथ टेलर के द्वारा प्रयुक्त हीदरग्राफ एक प्रकार का जलवायु लेखी ग्राफ है। इसमे ग्राफ के क्षैतिज भुजा से वर्षा तथा उर्ध्वाधर भुजा पर तापमान दर्शाये जाते है। ये जलवायिक तत्व औसत मासिक के रूप मे अंकित किये जाते है। जहाँ दोनो तत्व आपस मे मिलते है वहाँ माह के प्रथम अक्षर को अंकित करते है। सभी माह के बिन्दुओ को क्रम मे सरल रेखाओं द्वारा मिलाने पर एक आकृति प्राप्त होती है। जो हीदरग्राफ कहलाता है। मानवीय क्रिया-कलाप खासकर मानव अधिवास के संदर्भ मे व्यापक जलवायुयिक भिन्नताओ के साथ को प्रस्तुत करने हेतु इसका उपयोग किया जाता है।

Merits of Hythergraph

(1) हीदरग्राफ के जरीय एक ही ग्राफ के जलवायु का दो तत्व वर्षा एवं तापमान का प्रदर्शित किया जाता है

Scanned by SelfScan

(2) इसके जरिये किसी स्थान के जलवायिक भिन्नता को एक नजर से देखा जा सकता है।

(3) इसको बनाने से खास स्थान के वास्तीकरण का भूमि पर प्रभाव एवं भूमिगत जल की वास्तविकता उपलब्धता का अनुमान लगाया जा सकता है।

(4) इसके जरिये बस्तियों के संदर्भ में जलवायु के अन्तर का प्रभाव स्पष्ट किया जा सकता है।

(5) कृषि।

Demerits of Hythergraph

(1) टेपर के ग्राफ में तापमान व वर्षा की सीमा नहीं दी गई है, परन्तु फोस्टर के ग्राफ में तापमान तथा वर्षा की न्यूनतम व अधिकतम सीमा दी गई है।

(2)

Scanned by SelfScan

Date ______
Page ______

(2) वर्षा व तापमान का तुलनात्मक अध्ययन किया जाता है, इसमें वास्पीकरण का सही व्याख्या नहीं हो पाती है।

(3) वास्पीकरण को प्रभावित करनेवाले अन्य कारको को इसमें व्यक्त नहीं किया जा सकता है।

(4) वर्षा एवं तापमान का अति सरलीकृत अभिव्यक्ति है। यह ग्राफ उसके जटिल गुणों की व्याख्या नहीं करता है।

Conclusion (निष्कर्ष)

जलवायु संबंधी सांख्यिकीय आंकड़ो का निरूपण जलवायु लेखी ग्राफ तथा हीदरग्राफ से बेहतर ढंग से किया जा सकता है। इसकी सहायता से अन्य भौगोलिक एवं मानवीय पहलुओं के अन्तर्सम्बधों का अध्ययन किया जा सकता है।

Scanned by SelfScan

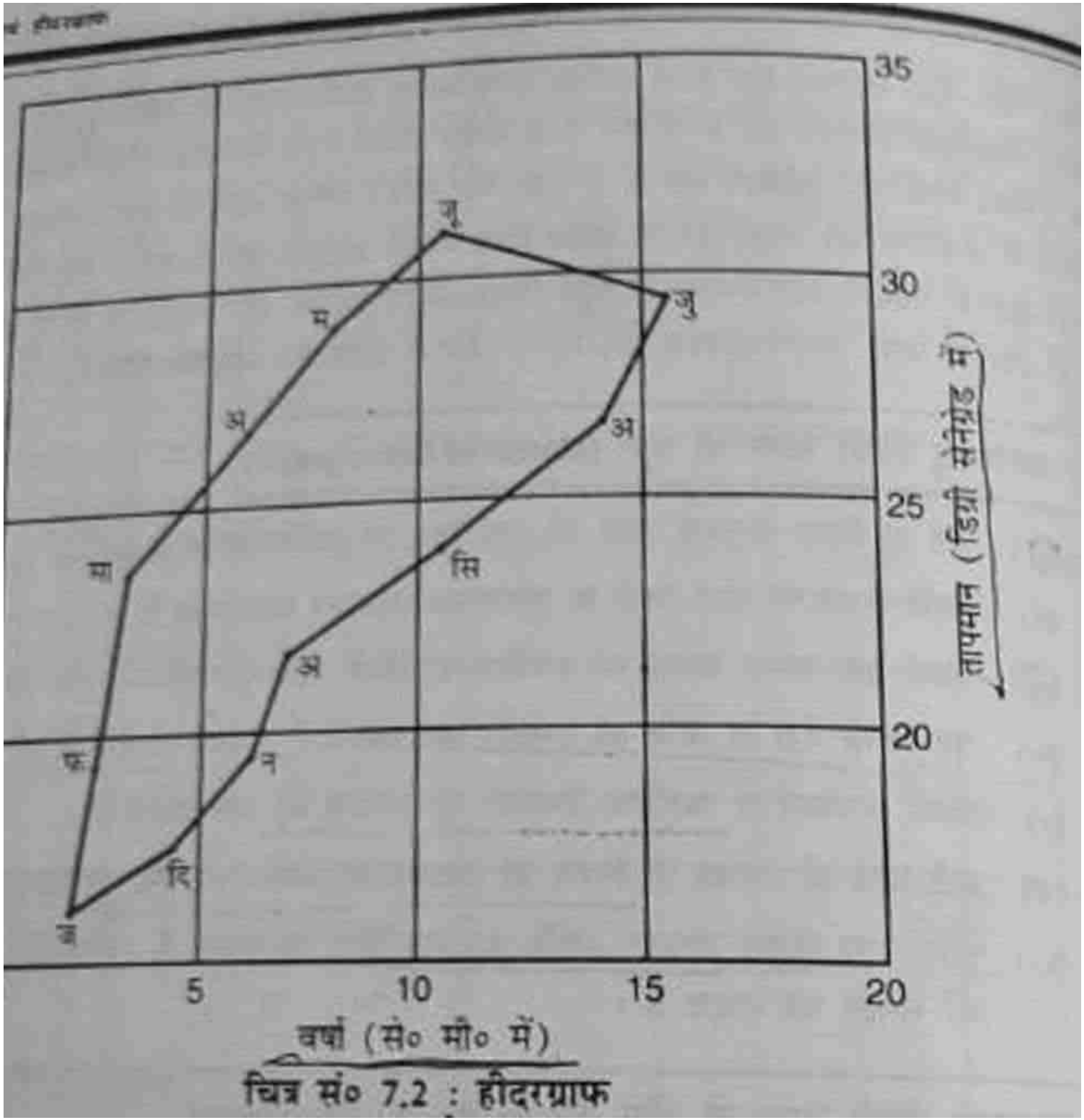

चित्र सं० 7.2 : हीदरग्राफ

Scanned by SelfScan